कनाडा में आपराधिक कानून

LEGAL INFO NOVA SCOTIA

HINDI / हिन्दी

विषयसूची

आपराधिक कानून का परिचय	1
अपने अधिकारों को जानें	2
आपराधिक कानून और युवा लोग	4
पुनर्स्थापना न्याय	5
अदालत जाना	6
आगे की प्रक्रिया	7
कानूनी सहायता प्राप्त करें	8

कॉपीराइट © 2026, नोवा स्कोटिया की कानूनी सूचना सोसायटी द्वारा।

हैलिफ़ैक्स क्षेत्रीय नगर पालिका का धन्यवाद।

आपराधिक कानून का परिचय

कनाडा में कानून सरकार और अदालतों द्वारा बनाए जाते हैं। “आपराधिक कानून” (“Criminal law”) उन नियमों का समूह है जो हमें बताते हैं कि हमें क्या करने की अनुमति है और क्या नहीं करनी चाहिए। ये यह भी बताते हैं कि यदि हम कानून तोड़ते हैं तो उसके परिणाम क्या हो सकते हैं।

आपराधिक कानून का मुख्य स्रोत **कनाडा की आपराधिक संहिता *(*Criminal Code of Canada)** है। कनाडाई कानून कनाडा में सभी पर लागू होते हैं — चाहे आप स्थायी निवासी (permanent resident) या नागरिक (citizen) न भी हों। जिस किसी को भी पुलिस द्वारा रोका जाता है या अपराध का आरोप लगाया जाता है, उसके अधिकार होते हैं।

प्रत्येक प्रांत (province) भी ड्राइविंग और सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित कानून बनाता है। इसमें गति सीमा, ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग, या ट्रैफिक संकेतों का पालन करने जैसे नियम शामिल होते हैं।

पुलिस अधिकारी अपराधों की जांच करते हैं। यदि सबूत मिले कि किसी व्यक्ति ने अपराध किया है, तो वे उस व्यक्ति पर आरोप लगा सकते हैं। इसका अर्थ है कि पुलिस को विश्वास है कि उस व्यक्ति ने कानून तोड़ा है। आरोपित व्यक्ति को अदालत में उपस्थित होना पड़ सकता है।

क्राउन अटॉर्नी *(*Crown Attorneys) वे वकील होते हैं जो सरकार के लिए काम करते हैं। उनका कार्य पुलिस द्वारा एकत्रित सबूतों को न्यायाधीश के सामने प्रस्तुत करना होता है।

जिस व्यक्ति पर अपराध का आरोप होता है, उसे एक दलील *(plea)* दाखिल करनी होती है। इसका अर्थ है कि वह अदालत को बताएगा कि वह दोषी है या निर्दोष। यदि आरोपित व्यक्ति दोषी होने की बात स्वीकार करता है, तो न्यायाधीश सज़ा निर्धारित करेगा। सज़ा आपराधिक संहिता में निर्धारित सीमा से अधिक नहीं हो सकती।

यदि आरोपित व्यक्ति कहता है कि वह निर्दोष है, तो मुकदमा चलेगा। क्राउन अटॉर्नी और आरोपित दोनों अपने-अपने पक्ष न्यायाधीश के सामने रखेंगे। न्यायाधीश मामला सुनेगा और निर्णय देगा।

अपने अधिकारों को जानें

जब आप पुलिस से बात करते हैं या अदालत में जाते हैं, तो आपको दुभाषिया (इंटरप्रेटर) रखने का अधिकार है। यदि कोई पुलिस अधिकारी आपको रोकता है या गिरफ्तार करता है, तो उसे गिरफ्तारी का कारण ऐसी भाषा में बताना चाहिए जो आप समझते हैं। यदि वे **Google Translate** या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक अनुवादक का उपयोग करते हैं, तो आप उनसे कह सकते हैं कि आप किसी वास्तविक व्यक्ति से अनुवाद करवाना चाहते हैं।

पुलिस को आपको शारीरिक रूप से नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए और न ही आवश्यक से अधिक बल का प्रयोग करना चाहिए।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि पुलिस आपसे झूठ बोल सकती है। वे कह सकते हैं कि उनके पास यह सबूत है कि आपने कानून तोड़ा है, या यह कि कोई परिचित व्यक्ति उनसे बात कर चुका है — यह ज़रूरी नहीं कि सच हो।

यदि पुलिस आपसे पूछताछ करती है या आपको गिरफ्तार करती है, तो आपको वकील से बात करने का अधिकार है। यदि आप पुलिस को बताते हैं कि आप वकील से बात करना चाहते हैं, तो जब तक आप वकील से बात नहीं कर लेते, वे आपसे और प्रश्न नहीं पूछ सकते।

पुलिस आपके घर, गाड़ी या सामान की तलाशी तब तक नहीं ले सकती जब तक कि उनके पास यह मानने का ठोस कारण न हो कि आपने कानून तोड़ा है। यदि वे आपसे तलाशी की अनुमति मांगते हैं, तो आप "नहीं" कह सकते हैं।

यदि पुलिस आप पर किसी अपराध का आरोप लगाती है, तो वे आपको एक फॉर्म देंगे जिसमें बताया जाएगा कि आपको अदालत में कब जाना है।

यदि पुलिस को लगता है कि आप अदालत में उपस्थित नहीं होंगे या आप स्वयं को या किसी और को नुकसान पहुँचा सकते हैं, तो वे आपको अगले कार्य दिवस तक हिरासत में रख सकते हैं और तब अदालत में पेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि यदि आपको सप्ताहांत (weekend) में गिरफ्तार किया जाता है, तो पुलिस आपको सोमवार तक (जब अदालत खुलती है) रोक सकती है।

यदि पुलिस इन नियमों का पालन नहीं करती, तो आप उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा सकते हैं या रिपोर्ट कर सकते हैं। जो कुछ हुआ उसे लिख लें, और यदि आपके शरीर पर कोई चोट या निशान हैं, तो उनकी तस्वीरें लें। घटना की तिथि, समय, स्थान और जितनी जानकारी याद हो सके, सब लिख लें।

आपराधिक कानून और युवा लोग

18 साल से कम उम्र के लोगों को अतिरिक्त अधिकार और सुरक्षा मिलती है, जब उनसे पुलिस पूछताछ करती है या उन पर कोई जुर्म का आरोप लगता है। ये अधिकार युवा आपराधिक न्याय अधिनियम (Youth Criminal Justice Act) नामक कानून के तहत बनाए गए हैं।

12 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर किसी अपराध का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

जब 12 से 17 वर्ष की आयु का कोई व्यक्ति किसी अपराध का आरोपी होता है, तो पुलिस को उसके माता-पिता या संरक्षकों को सूचित करना अनिवार्य होता है। युवाओं को पुलिस से बातचीत करते समय या अदालत में जाते समय किसी भी समय वकील से बात करने का अधिकार होता है।

जब कोई व्यक्ति 18 वर्ष से कम आयु का हो और उस पर अपराध का आरोप लगाया गया हो, या वह किसी अपराध का शिकार या गवाह हो, तो उसे अतिरिक्त गोपनीयता (प्राइवेसी) के अधिकार प्राप्त होते हैं। किसी को भी उनका नाम ऑनलाइन या समाचार में साझा करने की अनुमति नहीं होती।

यदि आप विद्यालय जाते हैं, तो आपको विद्यालय के नियमों का भी पालन करना चाहिए। यदि आप विद्यालय में हैं या किसी विद्यालयी कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, और कोई शिक्षक या स्टाफ सदस्य यह सोचता है कि आपने कोई विद्यालय नियम तोड़ा है, तो वे आपकी या आपके सामान की तलाशी ले सकते हैं। हालांकि, उनके पास ऐसा करने का उचित कारण होना चाहिए जिससे उन्हें सच्चाई जानने में सहायता मिले।

ऐसे कारणों में अन्य छात्रों, शिक्षकों या स्टाफ से मिली जानकारी शामिल हो सकती है — जैसे आपके या आपके सामान से नशीले पदार्थों या शराब की गंध आना, या किसी का यह कहना कि उन्होंने आपके बैग या लॉकर में कोई हथियार देखा है।

यदि पुलिस या न्यायाधीश यह आदेश देते हैं कि आपको अपने विद्यालय के किसी अन्य छात्र से दूर रहना है, तो भी आप विद्यालय जा सकते हैं। यदि आप उस व्यक्ति को विद्यालय या समुदाय में देखें, तो आपको उनसे दूर रहना होगा। यदि उनसे दूर रहने के लिए कक्षा बदलने की आवश्यकता हो, तो विद्यालय आपको वह परिवर्तन करने में सहायता करेगा।

पुनर्स्थापना न्याय

पुनर्स्थापना न्याय Restorative Justice एक ऐसा कार्यक्रम है जो लोगों को अपनी गलतियों से सीखने और गंभीर मुसीबतों से बचने में मदद करता है। यदि कोई व्यक्ति यह दिखाता है कि वह अपने द्वारा किसी व्यक्ति या समुदाय को पहुँचाए गए नुकसान की भरपाई करने के लिए गंभीर है, तो पुनर्स्थापना न्याय का परिणाम एक हल्की सज़ा या आपराधिक रिकॉर्ड से बचने का मौका हो सकता है।

किसी व्यक्ति को Restorative Justice कार्यक्रम के लिए पुलिस, क्राउन अटॉर्नी या न्यायाधीश द्वारा किसी भी समय भेजा जा सकता है। पीड़ितों के साथ काम करने वाली एजेंसियाँ भी किसी व्यक्ति को इसमें भेज सकती हैं। यह रेफ़रल किसी अपराध का आरोप लगाए जाने से पहले, अदालत जाने के बाद, या सज़ा सुनाए जाने के बाद किसी भी समय हो सकता है।

कोई व्यक्ति खुद को सीधे Restorative Justice के लिए नामांकित नहीं कर सकता, लेकिन वह इसका अनुरोध कर सकता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए व्यक्ति को "जवाबदेही" (accountability) स्वीकार करनी पड़ती है — अर्थात यह स्वीकार करना कि उसने कानून तोड़ा है या किसी को नुकसान पहुँचाया है।

पुलिस को यह बताने से पहले कि आपने कानून तोड़ा है, या अदालत में प्ली दर्ज करने से पहले, किसी वकील से सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Restorative Justice लगभग सभी प्रकार के मामलों में एक विकल्प हो सकता है — लेकिन यौन उत्पीड़न या पारिवारिक हिंसा (जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के प्रति हिंसा जिसके साथ आपका प्रेम या शारीरिक संबंध है) के मामलों में यह लागू नहीं होता।

मामला रेफ़र किए जाने के बाद, एक Restorative Justice कार्यकर्ता उस मामले से जुड़े सभी लोगों से संपर्क करेगा। इसमें आरोपी, पीड़ित, समुदाय के सदस्य और पुलिस शामिल हो सकते हैं। वे मिलकर यह समझने की कोशिश करेंगे कि क्या हुआ, उसका सभी पर क्या प्रभाव पड़ा, और न्यायपूर्ण परिणाम सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाने आवश्यक हैं।

अदालत जाना

जब किसी व्यक्ति पर अपराध का आरोप लगाया जाता है, तो उसकी पहली अदालत उपस्थिति को **अर्रेनमेंट (Arraignment)** कहा जाता है। उसी दिन अदालत में कई मामलों की सुनवाई हो सकती है। ध्यान से सुनें ताकि जब अदालत के क्लर्क द्वारा आपका नाम पुकारा जाए, तो आप उसे सुन सकें। यदि आपको दुभाषिए (इंटरप्रेटर) की आवश्यकता है, तो अदालत को पहले से इसकी जानकारी दें।

जब क्लर्क आपका नाम पुकारे, तो आपको अदालत के सामने जाकर खड़ा होना चाहिए ताकि न्यायाधीश आपको देख सकें। अदालत का क्लर्क आपके खिलाफ लगाए गए आरोप को पढ़ेगा। न्यायाधीश आपसे पूछेगा कि क्या आप इस आरोप को समझते हैं। यदि आप नहीं समझते, तो न्यायाधीश इसे आपको समझाएगा।

न्यायाधीश आपसे पूछेगा कि क्या आप स्वयं को दोषी मानते हैं (guilty) या निर्दोष (not guilty)। यदि आप निर्दोष कहते हैं, तो न्यायाधीश मुकदमे (trial) की तिथि निर्धारित करेगा। यदि आप दोषी बताते हैं, तो न्यायाधीश सज़ा सुनाने (sentencing) की तिथि तय करेगा। यदि आप सुनिश्चित नहीं हैं कि क्या कहना है, या आपको वकील से चर्चा करने के लिए अधिक समय चाहिए, तो आप **अजर्नमेंट (adjournment)** मांग सकते हैं। अजर्नमेंट का अर्थ है कि आपको अदालत में उपस्थित होने की नई तिथि दी जाएगी।

आपको यह निर्णय लेने से पहले कानूनी सलाह अवश्य लेनी चाहिए कि आप कौन-सा दलील (प्ली) दर्ज करेंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि आप क्राउन अटॉर्नी से अपने मामले से संबंधित सभी जानकारी और सबूत प्राप्त करें और यदि संभव हो तो उन्हें किसी वकील के साथ मिलकर देखें।

"डिस्क्लोज़र" (Disclosure) का अर्थ है कि क्राउन अटॉर्नी को आपके मामले से संबंधित सभी सबूतों की प्रतियाँ आपको देनी होती हैं। इसमें पुलिस रिपोर्ट, गवाहों के बयान और अन्य किसी भी दस्तावेज़ को शामिल किया जाता है।

आगे की प्रक्रिया

यदि आप दोषी होने की बात स्वीकार करते हैं (plead guilty) या मुकदमे के बाद न्यायाधीश यह तय करते हैं कि आप अपराध के दोषी हैं, तो आपका **आपराधिक रिकॉर्ड (criminal record)** बनाया जाएगा। इससे आपको नौकरी प्राप्त करने या स्थायी निवासी (Permanent Resident) या नागरिक बनने में कठिनाई हो सकती है।

किसी अपराध में दोषी ठहराया जाना हमेशा जेल जाना नहीं होता, विशेष रूप से यदि यह आपका पहला अपराध है और किसी को गंभीर चोट नहीं पहुँची है। आपको सज़ा सुनाई जाएगी, जिसका अर्थ हो सकता है कि आपको जुर्माना भरना पड़े, सामुदायिक सेवा (community work) करनी पड़े, कक्षाओं में भाग लेना पड़े या परामर्श (counselling) लेना पड़े।

यदि आप पर अपराध का आरोप है या आप दोषी ठहराए गए हैं, तो आपको कुछ **नियमों (conditions)** का पालन करना होगा। ये नियम पुलिस या न्यायाधीश द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। इनमें यह शामिल हो सकता है कि आप किसी विशेष स्थान से दूर रहें, किसी व्यक्ति से संपर्क न करें, या हर रात एक निश्चित समय तक अपने घर वापस पहुँच जाएँ। यदि आप इन शर्तों का उल्लंघन करते हैं, तो आप पर नया अपराध का आरोप लगाया जा सकता है।

यदि किसी कारणवश (जैसे स्कूल, नौकरी या पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के कारण) आप अपनी शर्तों का पालन नहीं कर सकते, तो आपको अदालत में जाकर उन शर्तों में बदलाव के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए आप **प्रांतीय अदालत (Provincial Court)** से एक फ़ॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी बदलाव को न्यायाधीश की स्वीकृति आवश्यक होती है; अन्यथा, आपको अपनी मौजूदा शर्तों का पालन करना अनिवार्य है।

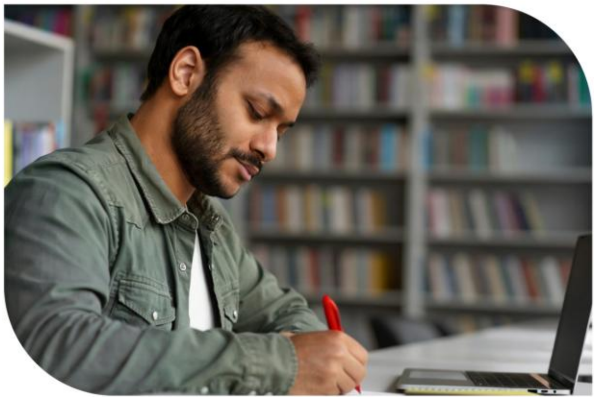

कानूनी सहायता प्राप्त करें

यदि आपकी आयु *18* वर्ष से कम है, या आप वयस्क हैं लेकिन आपकी आय कम है, तो आप **नोवा स्कोटिया लीगल एड (Nova Scotia Legal Aid)** से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। आप ऑनलाइन www.nslegalaid.ca पर या अपने निकटतम लीगल एड कार्यालय में जाकर आवेदन कर सकते हैं।

लीगल एड कार्यालय का कोई स्टाफ वकील आपके मामले के लिए नियुक्त किया जा सकता है। वे आपको कानूनी सलाह देंगे और आपके साथ अदालत भी जाएंगे।

यदि लीगल एड कार्यालय आपका मामला नहीं ले सकता, तो वे आपको **लीगल एड सर्टिफिकेट (Legal Aid Certificate)** जारी कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि वे किसी निजी वकील को आपके मामले पर काम करने के लिए भुगतान करेंगे। लीगल एड आपको उन वकीलों की सूची दे सकता है जो यह प्रमाणपत्र स्वीकार करते हैं, लेकिन उनसे संपर्क आपको स्वयं करना होगा।

यदि आपको गिरफ्तार किया जाता है, तो पुलिस को आपको वकील से बात करने की अनुमति देनी होती है। आप कानूनी सलाह के लिए लीगल एड को कॉल कर सकते हैं। पुलिस को आपको फ़ोन नंबर और फ़ोन का उपयोग करवाना अनिवार्य है। वे आपको वकील से निजी तौर पर बात करने की सुविधा देंगे।

यदि आप अदालत में हैं और आपका कोई वकील नहीं है, तो आप **ड्यूटी काउंसेल वकील (Duty Counsel Lawyer)** से बात कर सकते हैं। यह वकील लीगल एड के लिए काम करता है और अदालत में उपस्थित लोगों को निःशुल्क, बुनियादी कानूनी सलाह देता है। यह वकील आपके पूरे मामले पर काम नहीं करता — केवल उस दिन की सुनवाई के लिए सलाह प्रदान करता है।

लीगल एड केवल परिवार कानून (Family Law) और आपराधिक कानून (Criminal Law) से संबंधित मामलों में सहायता करता है। वे ट्रैफ़िक टिकट (यातायात चालान) से संबंधित मामलों में मदद नहीं करते। यदि आपका कानूनी मामला किसी अन्य प्रकार का है, तो आपको स्वयं वकील रखना होगा या खुद अपना प्रतिनिधित्व करना होगा।

लीगल इन्फॉर्मेशन सोसाइटी ऑफ नोवा स्कोटिया (Legal Information Society of Nova Scotia) कानून से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकता है। आप उनसे ईमेल, लाइव चैट, टेक्स्ट (text) या फ़ोन द्वारा अपने प्रश्न पूछ सकते हैं। वे आपको आपके विकल्पों और कानून क्या कहता है, यह समझने में मदद कर सकते हैं — लेकिन वे कानूनी सलाह नहीं दे सकते या आपके साथ अदालत नहीं जा सकते। उनकी वेबसाइट है www.legalinfo.org और उनका फ़ोन नंबर है 1-800-665-9779.